CBSE NCERT · Class 10 · Hindi Sanchayan 2

Hindi Sanchayan 2

PADIKAM LEARNING CONTENT
PADIKAM
कोस B पूरक
संचयन भाग-2
का 10 अध्ययन नोट्स
3 पाठ
तीन वतमान पूरक कहिानयाँ।
Padikam की व्याा स्वतंत्र रूप से िलखी गई है। NCERT पुस्तक का उपयोग केवल पाठ-क्रम, मानक शावली और अध्ययन-सीमा के िलए िकया गया है।

िवषय-सूची
01 हरहर काका
02 टोपी शु
03 सपनों के -से िदन
कै से पढ़
पहले सरल समझ पढ़, िफर याद रखने योग्य िबंदु बोलकर दोहराएँ और अंत म िबना देखे परीक्षा अास िलख।
आिधकारक पुस्तक ोत
https://ncert.nic.in/textbook.php?jhsy1=0-3

पाठ 1
हरहर काका
सरल समझ
संपि के कारण परवार और मठ दोनों हरहर काका पर अिधकार जमाते ह; कहानी रों, धम और लालच की परत खोलती है।
याद रखने योग्य परीा अास
वृद्ध व्यक्त की इा को दोनों पक्ष अनदेखा करते ह। परवार और महंत के व्यवहार की तुलना कीजए।
धिामक प्रिता भी संपि-लालच से मुक्त नही ंिदखाई गई।
हरहर काका मौन ों हो जाते ह?
मौन अंत उनकी असुरक्षा और अिवास को गहरा करता है।
एक-पं पुनरावृि वृद्ध व्यक्त की इा को दोनो ंपक्ष अनदेखा करते ह।

पाठ 2
टोपी शु
सरल समझ
टोपी और इफ़्फ़न की िमत्रता के माध्यम से सांप्रदियक पहचान, परवार, अके लापन और बालमन की सहजता पर िवचार होता है।
याद रखने योग्य परीा अास
बों की िमत्रता सामिाजक िवभाजन से अिधक मानवीय है। टोपी और इफ़्फ़न की िमत्रता का महत्व िलखए।
भाषा, घर और दादी के अनुभव अपनापन बनाते ह। कहानी सांप्रदियकता पर ा कहती है?
पूवाग्रह सीखा जाता है; वह जन्मजात नही ंहै।
एक-पं पुनरावृि बो ंकी िमत्रता सामिाजक िवभाजन से अिधक मानवीय है।

पाठ 3
सपनो ं के -से िदन

सरल समझ

ू ली बचपन की स्मृतयाँ शरारत, भय, िमत्रता और िशक्षक के प्रभाव को सपने जैसी दूरी से देखती ह।

याद रखने योग्य परीा अास

बचपन म भय और आनंद साथ-साथ मौजूद रहते ह। शीषक की साथकता िलखए।

िशक्षक का व्यवहार िवाथ की स्मृत पर ायी असर डालता िवालय और िशक्षकों की स्मृतयों का वणन है। कीजए।

संस्मरण बीते समय को भाव और आत्ममूांकन से पुनः रचता है।

एक-पं पुनरावृ बचपन म भय और आनंद साथ-साथ मौजूद रहते ह।